

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

नं∘ 170]

नई विल्लो, सोमधार, सितम्बर 5, 1977/भाद्र 14, 1899

No. 170]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 5, 1977/BH ADRA 14, 1899

इस भाग में भिनन पुष्ठ संख्या ही जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप मे रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 5th September 1977

Subject —Compulsory export effect by actual users engaged in vertain industries during April 1977—March 1978 period

No. 68-ITC(PN)/77—Attention is invited to the provision made in para 77 in Section I of the Import Trade Control Policy Book (Volume I) for 1977-78, according to which Government reserves the right to require any industry which uses imported machinery or imported inputs to show certain export performance over a period of time and its failure in doing so will render it hable to action under the Import Trade Control Regulation

2 It has been decided by Government that units engaged in the manufacture of automobile tyres and tubes (excluding scooter tyres and tubes) shall be placed under the said compulsory export obligation to the extent indicated below-

- (a) Units manufacturing automobile tyres and tubes (excluding scooter tyres and tubes) which started production on or before lst April, 1973.
- (b) Units engaged in the manufacture of automobile tyres and tubes (excluding scooter tyres and tubes) which started production after 1st April, 1973.

15% of the ex-factory value of production during 1977-78.

10° of the ex-factory value of production during 1977-78.

- 3 Accordingly the concerned units shall act upto the obligation imposed on them as above, within a period of one year from the date of these orders i.e. not later than the 5th September, 1978
- 4 Import entitlement of individual units, who fail to discharge the stipulated export obligation, will be liable to a cut of 10 per cent in their allocation of imported raw materials and components during 1978-79 Hence they should submit at the appropriate time satisfactory evidence of their performance relative to the said obligation.
 - 5. The export obligation will not, however, apply to small scale units

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports & Exports

वाणिज्य मन्त्रालय

सार्वजनिक सूचना

श्राधात व्यापार नियन्त्रण

नई दिल्ली, 5 सितम्बर, 1977

विषय.--- ग्रप्रैल 1977---मार्च 1978 प्रवधि के दौरान कुछ खास उद्योगों मे लगे हए बास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा भ्रतिवार्य निर्यात प्रयतन

सं 68-पाई टी॰ सी॰ (पीएन)/77.--1977-78 प्रवधि की ग्रायात व्यापार नियन्त्रण नीति पूस्तक (बार 1) के खण्ड 1 के पैरा 77 मे दी गई व्यवस्था की भ्रोर ध्यान दिलाया जाता है, जिसके ग्रनसार सरकार को प्रधिकार है कि वह किमी भी उस उद्योग से जो भ्रायातित मशीनरी या ब्रायातित निवेश का उपयोग करता है, कुछ समय के बाद कुछ निर्यात निष्पादन को बताने की अपेक्षा कर सकती है और उसके द्वारा ऐसा करने मे असफल होने पर उसके विरुद्ध म्रायात व्यापार नियन्त्रण विनियमो के म्रन्तर्गत कार्रवाई कर सकती है।

- 2. सरकार ने भ्रब यह निश्चय किया है कि जो एकक ग्राटोमोबाइल टायर भीर टयबस के विनिर्माण में लगे हुए है (स्कूटर टायर्स भीर ट्यूब्म को छोडकर) उन्हें उक्त भ्रनिवार्य निर्यात धाभार के ग्रधीन नीचे संकेतित सीमा तक रखा जाएगा ---
 - (क) वे एकक जो श्राटोमोबाइल टायर श्रीर 1977-78 की श्रवधि के दौरान उत्पादन टयबस (स्कुटर टायर ग्रीर ट्यूब्स को के कारखाना मुल्य का 15 प्रतिशत। छोड़कर) का बिनिर्माण कर रहे है, जिन्होंने 1 श्रप्रैल 1973को या इसमे पहले उत्पादन ग्रारम्भ किया है।
 - (ख) वे एकक जो म्राटोमोबाइल टायर्म भीर 1977-78 की भ्रवधि के दौरान उत्पादन ट्यूब्स (स्कूटर टायर्स ग्रीर ट्यूब्स को छोडकर) का विनिर्माण कर रहे है, जिन्होंने 1 ग्रप्रैल, 1973 के बाद उत्पादन आएमभ किया है।

के कारखाना मुल्य का 10 प्रतिशत।

3 तदनसार, सम्बद्ध एकक इन भ्रावेशों के जारी होने की तिथि से एक साल के भ्रन्दर उपर्यक्त लगाए गए ग्राभारों के ग्रन्मार कार्य करेंगे ग्रथीत 5 मितम्बर, 1978 से पहले नहीं।

- 4. व्यक्तिगत एकक जो निर्धारित निर्यात ग्राभार को पूरा करने मे ग्रसमर्थ हो जाते हैं तो 1978-79 के दौरान उनके ग्रायातित कच्चे माल ग्रीर सघटकों के ग्राबंटन के लिए उनकी ग्रायातित हकदारी में 10 प्रतिगत की कटौती की जाएगी। ग्रतः उचित समय पर उन्हें उक्त ग्राभार के सम्बद्ध में भपने निष्पादन का सन्तोषजनक साक्ष्य देना चाहिए।
 - 5. लेकिन, निर्यात श्राभार लघ् पैमाने के एकको के लिए लागू नहीं होगा।

का० वें० शेषाद्रि, मुख्य नियभ्ज्रक, ग्रायात-निर्यात ।